

संपादकीय

(उमेश कुमार तिवारी)

चुनाव आयोग में पारदर्शिता की मांग सही

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 30 सितंबर को हुई ‘ इंडिया ’ ब्लॉक की आठवीं बैठक के बाद विपक्ष ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर को लेकर अपने आंदोलन का खाका सामने रखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और 6 अक्तूबर को विपक्षी सांसदों द्वारा चुनाव आयोग के घेराव की घोषणा की। खबरों के मुताबिक, बैठक में 19 विपक्षी दल शामिल हुए। विपक्ष ने 2 से 8 अक्तूबर तक जिला स्तर पर मार्च, अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात, पांच बड़ी रैलियां और 1 नवंबर को दिल्ली में महारैली सहित कई कार्यक्रम तय किए हैं। बैठक का केंद्र एसआईआर, मतदाता सूची से छेड़छाड़, ईवीएम-वीवीपैट और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता रहा। खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को केंद्र सरकार की कठपुतली बना दिया गया है और मतदाता सूची में बदलाव के जरिये विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। यह विपक्ष का राजनीतिक आरोप है, जिसे तथ्य के रूप में स्वीकार करने से पहले संबंधित प्रमाणों और चुनाव आयोग का पक्ष देखना जरूरी है। एसआईआर को लेकर विपक्ष जिस तरह लगातार अभियान चला रहा है, उससे स्पष्ट है कि मतदाता सूची का मुद्दा आने वाले चुनावों की राजनीति में बड़ा विषय बनने जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि किसी वैध मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना, कारण और अपील का अवसर मिलना चाहिए। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की मौजूदा व्यवस्था में मतदाता पंजीकरण, नाम में सुधार, आवेदन की स्थिति देखने और मतदाता सूची से संबंधित सेवाओं के लिए आधिकारिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। आयोग के नागरिक सेवा पोर्टल पर नया मतदाता पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 की सुविधा भी दी गई है। फॉर्म-6 को लेकर भी विपक्ष की ओर से सवाल उठाए गए हैं। वहीं चुनाव आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में अतिरिक्त घोषणापत्र की आवश्यकता समाप्त करने की जानकारी दी, जहां एसआईआर का काम पूरा हो चुका है या अभी शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में इस मुद्दे पर राजनीतिक आरोपों के साथ-साथ वास्तविक प्रक्रिया को समझना भी जरूरी है। मतदाता सूची से जुड़ा कोई भी बदलाव किन्तना व्यापक है, किन्तने नाम जोड़े या हटाए गए और किन कारणों से कार्रवाई हुई, इसका राज्यवार आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण ही अधिक स्पष्ट तस्वीर दे सकता है। सबसे अहम सवाल यह है कि इस बैठक से कांग्रेस और ‘इंडिया’ ब्लॉक को क्या राजनीतिक लाभ हासिल हुआ? विपक्ष को एक साझा मुद्दा जरूर मिला है, जिसके जरिये वह अलग-अलग राज्यों में अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को अभियान से जोड़ सकता है। छह सूत्री कार्यक्रम इसी रणनीति का हिस्सा दिखाई देता है, लेकिन आंदोलन की घोषणा और उसके राजनीतिक प्रभाव के बीच काफी अंतर होता है। किसी भी आरोप को जनता के बीच प्रभावी मुद्दा बनाने के लिए ठोस तथ्य, दस्तावेज और लगातार राजनीतिक संवाद की आवश्यकता होती है। इंडिया ब्लॉक ने भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची इस्तेमाल करने, मतदाता सूची में बदलाव की जानकारी सार्वजनिक करने और चुनाव प्रक्रिया में संस्थागत जवाबदेही बढ़ाने की मांग रखी है। ये विपक्ष की घोषित राजनीतिक मांगें हैं। इन मांगों पर अंतिम निर्णय चुनावी कानून, सांविधानिक व्यवस्था और सक्षम संस्थाओं की प्रक्रिया के अनुसार ही होगा। बैठक में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का शरद पवार गुट, शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट, राजद, वाम दलों सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। इंडिया ब्लॉक की असलियत इस तथ्य से भी उजागर होती है कि द्रमुक और आम आदमी पार्टी बैठक में शामिल नहीं हुईं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी व्यक्तिगत रूप से बैठक में नहीं पहुंचे और उनकी जगह पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए। इससे यह संकेत जरूर मिलता है कि इंडिया ब्लॉक के भीतर आयोग के मुद्दे पर व्यापक सहमति बनाने का प्रयास है, पर सभी दलों की भागीदारी एक जैसी नहीं है। भाजपा ने उचित ही कांग्रेस पर सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और मतदाता सूची में मृत या दोहरे नाम बनाए रखने जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए हैं। इस प्रकार विवाद अब केवल एसआईआर की तकनीकी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है। तथ्य यह भी है कि अलग-अलग राज्यों में विपक्षी दल अपने संगठन को मजबूत करने और सरकार के खिलाफ मुद्दे तलाशने में जुटे हैं। ऐसे में, मतदाता सूची, एसआईआर और चुनाव आयोग ऐसे मुद्दे बन गए हैं, जिनको विपक्ष सियासी अभियान में बदलना चाहता है, लेकिन जिना प्रमाण के गड़बड़ी का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में चुनाव आयोग पर सवाल उठाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन आरोप भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर ही लगाए जाने चाहिए।

नई दिल्ली

संपादकीय

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बिंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटना अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल यह समस्त देश एक तहल से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक

देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्रास युद्ध, अमेरिका-ईरान अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बिंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटना अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल यह समस्त देश एक तहल से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक

लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई है। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चतम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का कीमत/आय रेशो भारतीय कपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का कीमत/आय रेशो भारतीय कपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात्, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर से संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है।

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करो की नीति

वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तृष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लामती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग फ़्हर महानेवफ़्फ़



तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नक्सली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकार हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशोत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समाचार आ रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा बनाने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकण्ठ भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण

कर लिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के माध्यम से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड़ हैं और हम भगवान शिव की आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं। रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि हर हर महादेव का उद्घोष नहीं

किया जाता । रेड्डी ने कहा कि मोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और महाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही काँवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है। कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी विद्र रहि है। सोमनाथ मंदिर के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जौहर्णाद्धार रोकने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने फरफट भरी बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल काँरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था। आज दक्षिण भारत के जो कांग्रेसी नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहे हैं वह ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के उद्धार के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं? कांग्रेस के शासनकाल में भगवान शिव के मंदिरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक बार काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर में जाकर दर्शन करना चाहिए तब उन्हें स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आर्य प्रभु श्रीराम के भी भक्त हैं और भगवान शिव के भी भक्त हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम में भी भगवान की पूजा करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम में भी। वह अपनी हर जनसभा में हर-हर महादेव के नारे लगाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने निहित राजनीतिक स्वार्थ व गांधी परिवार की चाटुकारिता के लिए एक निन्दनीय बयान दिया है। यह बयान भारत को उत्तर और दक्षिण में बांटने की कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है। भाषा के आधार पर भी कांग्रेस उत्तर और दक्षिण को लड़ाती रही है। इस बयानबाजी का एक पक्ष मुस्लिम समाज को खुश रखने के लिए हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार करना भी है। यहां पर एक बड़ा सवाल यह भी है कि कांग्रेस के नेता कभी अन्य धर्मों के प्रति इस प्रकार के बयान क्यों नहीं देते? यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो चुकी है गांधी परिवार व विपक्ष को अयोध्या का भव्य राम मंदिर व काशी विश्वनाथ धाम सहित अन्य मंदिरों का विकास अच्छा नहीं लग रहा है इसलिए अब उसने यह क्या नेरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी व बीजेपी के लोग हर- हर महादेव नहीं बोलते। वास्तविकता ये है देश की जनता कांग्रेस की इस फूट डालो-राज करो की नीति अच्छी तरह से समझ चुकी है यही कारण है कि कांग्रेस लगातार सिमट रही है लेकिन वह अपने में सुधार के बजाए चुनाव आयोग व संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर होकर सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है।

हम चीन-जापान के बराबर कब पहुंचेंगे

जान बची तो लाखों पाए। यह कहावत पूरी तरह खरी उतरती है भारतीय दल पर, जिसने नागोया एशियाई खेलों के आखिरी दो दिनों में कई तमगे आगे चल रहे उन्बेकिस्तान को पछाड़ दिया। हालांकि, उन्बेकिस्तान बहुत पीछे नहीं रहा और 21 स्वर्ण जीतकर कुल 70 पदकों के साथ वह पांचवें स्थान पर रहा। यहां चीन, जापान और दक्षिण कोरिया की बात छोड़ ही दें। वे हमसे काफी आगे रहे। यहां तक कि ईरान, जो पिछले काफी समय से आंतरिक अशांति और युद्ध झेल रहा है, 52 पदक जीतने में सफल रहा। गौर करने वाली बात है कि ईरान और भारत के स्वर्ण पदकों में महज दो का अंतर रहा। कई साल पहले की बात है। सुरेश कलमाड़ी तब भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष थे। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से 7, रैसकोर्ग मार्ग (अब 7, लोक कल्याण मार्ग) आवास पर जाकर मुलाकात की थी। कलमाड़ी ओलंपिक संघ के लिए कुछ अधिक आर्थिक मदद पाने के इरादे से प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। अभी उन्होंने

बोलना शुरू ही किया था कि वाजपेयी जी ने उन्हें टोका, आप लोग खेल आयोजनों में बहुत बड़े दल ले जाते हैं और पदक आते नहीं। इससे देश की बदनामी होती है। इतना बोलकर प्रधानमंत्री वापस चले गए। स्थिति अब भी वैसी ही है। इस बार के एशियाई खेलों में कुल 503 खिलाड़ियों का भारतीय दल जापान गया था और पदक आए हैं 85। इसके लिए कई खिलाड़ियों को दोष देना ठीक नहीं होगा। कई खेलों में तो हमारे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। हॉकी में पुरुष और महिला, दोनों टीमों ने सोना जीता है और साल 2028 के लॉस एंजेलस ओलंपिक के लिए अपना टिकट भी हासिल कर लिया है। यहां यह भी गौरतलब है कि महिला हॉकी टीम ने पुरुषों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया और 44 साल के बाद वह एशियाई खेलों में खिताब जीतने में सफल रही। इसी तरह, क्रिकेट में भी दोनों भारतीय टीमों ने स्वर्ण पदक जीता है। बॉक्सिंग में भी भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा। यह पहला मौका था, जब किसी एक ही एशियाई खेलों में भारत ने तीन सोना जीता हो। इस कारनामे को अंजाम दिया लवलीना बोरगोहेने, परवीन हुद्दा और अंकुश पंधाल ने। एथलेटिक्स में भारत की महिला टीम ने चार गुने चार सौ रिले में स्वर्ण पदक जीता, बल्कि कुल 24 पदक



झटके। शूटिंग में भारत का उम्मीद से कमतर प्रदर्शन रहा और बैडमिंटन, टेनिस में तो उससे भी ज्यादा खराब। खेलों के आखिरी दिन फीस्टाइल पहलवान अमन सेहरावर, दीपक पूनिया और अंतिम पंधाल ने पदक जीतकर तालिका में भारत को शीर्ष पांच में ला दिया। अगर वाजपेयी जी के शब्दों को याद करें और बड़े खेल-दल की तरफ देखें, तो पता चलता है कि भारत की दोनों क्रिकेट टीमों में कुल 28 खिलाड़ी थे और हॉकी की पुरुष व महिला

टीमों में 36। इसका एक अर्थ यह भी है कि कुल 64 खिलाड़ियों ने चार पदक देश के नाम किए। यहां किसी खेल को छोटा या कमतर दिखाने की मंशा कतई नहीं है, लेकिन अगर भारत को अधिक पदक जीतने हैं, तो इसे उन खेलों में सुधार लाना होगा, जहां पदकों की संख्या अधिक होती है। जिमनास्टिक और तेराकी में पदकों की भरमार होती है, लेकिन इन खेल विधाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करीब-करीब न के बराबर होता है। जो

खिलाड़ी इन स्पर्धाओं में भाग लेते भी हैं, उनका स्तर पदक लायक शायद ही होता है। यही कारण है, एशियाई खेलों में शुरू के आठ-नौ दिन जापान और चीन छाप रहे। अब बीच वॉलीबॉल को ही लें। आम धारणा है कि यह खेल केवल वही हो सकता है, जहां बीच या समंदर का किनारा हो, क्योंकि इस खेल का नाम ही बीच वॉलीबॉल है, जबकि सच्चाई यह है कि गांवों के खेतों में मिट्टी का बड़ा-सा अखाड़ा बनाकर भी यह खेल खेला जा सकता है। भारत के गांव-देहात में वॉलीबॉल तो वैसे भी प्रचलित है। इस एशियाई खेलों में एक बात बहुत अटपटी लगी। शुरुआती दिनों में पदक न आने की वजह से खेल मंत्रालय के दल ने नागोया जाने की अपनी योजना रद्द कर दी। अच्छा होता, अगर खेल मंत्रालय के सचिव, खेल प्राधिकरण के डीजी या अन्य अफसर जापान जाते और वहां खुद देखते कि गलती कहां हो रही है और उन गलतियों को सुधारने की गंभीर कोशिश करते। अब कबूतर के आंखें बंद कर लेने से बिल्ली भाग नहीं जाती। हां, कबूतर को यह नहीं दिखती। इन बड़े खेल आयोजनों में शिरकत करने से पहले खेल मंत्रालय, खेल प्राधिकरण आदि पदकों के बड़े-बड़े दावे करते हैं और जहां एक ओर वे खिलाड़ियों पर दबाव डालते हैं, तो वही आम

जनता को बहलाते हैं। नागोया के कुछ असफल खिलाड़ियों को छोड़ भी दें, तो कुल मिलाकर हमारे खिलाड़ियों ने वैसा ही प्रदर्शन किया है, जिसके वे काबिल थे। कई खिलाड़ियों ने नागोया में रहने के इंतजाम को लेकर आयोजकों की काफी आलोचना की। हालांकि, सवाल यह है कि क्या यह सब भारतीय दल को वहां पहुंचकर मालूम हुआ हर बड़े खेल मेले की आयोजन समिति खेलों की विधिवत शुरुआत से बहुत पहले समय-समय पर एडवाजरी या बुलेटिन द्वारा ओलंपिक संघ को सूचना देती है। इसमें रहने के इंतजाम, खाने-पीने की व्यवस्था, परिवहन आदि सभी विषयों के बारे में बताया जाता है। क्या इन सब पर समय रहते ध्यान दिया गया था? अगर नहीं, तो फिर क्यों नहीं दिया गया? अब तक नागोया से काफी खिलाड़ी वापस आ चुके हैं और जब पूरा दल लौटकर आ जाएगा, तो जर्जन और पार्टी होगी ही। खिलाड़ियों की नेताओं के साथ सेल्फी की होड़ भी मचेगी, और फिर कुछ दिनों के बाद सब कुछ भुला दिया जाएगा। साल 2030 के एशियाई खेल दल कतर की राजधानी दोहा में आयोजित होंगे। क्या यही कहानी वहां भी दोहराई जाएगी या अब वाकई पूर्व प्रधानमंत्री के शब्दों पर ध्यान दिया जाएगा? इसका जवाब भविष्य के गर्भ में है।



एक नज़र

पुलिसकर्मियों के लिए बॉडी-कैमरा पहनना हो अनिवार्य; हाई कोर्ट में आई जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर व अन्य कई इलाकों में बीते कई महीनों से हो रहे राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली हाई कोर्ट में एक खास जनहित याचिका (PIL) दायर की गई है। जिसमें मांग की गई है कि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भीड़ को काबू करने के लिए सड़क पर तैनात दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) के जवानों के लिए बॉडी-वॉन कैमरा (शरीर पर पहने जाने वाले कैमरे) पहनना अनिवार्य करने का निर्देश दिया जाए। याचिका में ऐसे नियम, कानून या स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिसके तहत भीड़ को काबू करने के लिए तैनात पुलिस और RAF जवानों के लिए बॉडी कैमरा पहनना जरूरी हो। साथ ही, इन कैमरों से रिकॉर्ड किए गए फुटेज को स्टोर करने, उसकी प्रमाणिकता बनाए रखने, उसे सुरक्षित रखने और सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए एक सिस्टम बनाने की मांग भी की गई है। इस जनहित याचिका का समय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह PIL शनिवार को जंतर-मंतर पर हुए एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विवेक भगत पर एक महिला पत्रकार के साथ कथित रूप से यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगने के बाद आई है। बता दें कि इस मामले में तीन महिला पत्रकारों ने जंतर-मंतर पर निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने बताया था कि उसे इस बाबत शिकायतें मिली हैं, जिन्हें आगे की जांच के लिए अपराध शाखा को भेज दिया गया है।

नोएडा में दिल्ली से बिहार जा रही स्लीपर बस बनी आग का गोला, 32 लोग थे सवार



एक्सप्रेसवे पर अचानक बस में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बस धू-धू कर जलने लगी। बस में आग लगने के बाद यात्रियों के बीच चीख-पुकार और

पहुंची। हादसे के चलते एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक प्रभावित हो गया। पुलिस की ओर से साझा की गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में बैएसएस कूल-कूल जमना ट्रेवलर्स की बस संख्या BR28P3433 दिल्ली से मुजफ्फरपुर, बिहार जा रही थी। आग लगने की सूचना पर थाना नॉलेज पार्क पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंची जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। बस में लगभग 32 सवारियां मौजूद थीं। यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला गया है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है। पुलिस जरूरी कार्यवाही कर रही है।

दिल्ली में लिव-इन पार्टनर पर फेंका तेजाब, बुरी तरह झुलसा चेहरा; ब्रेकअप से नाराज था बॉयफ्रेंड

नई दिल्ली। दिल्ली के भजनपुरा इलाके में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां लिव-इन पार्टनर ने ब्रेकअप के बाद महिला पर एसिड अटैक कर दिया। इस घटना को लेकर पुलिस में शिकायत करते हुए महिला ने बताया कि काम पर जाते समय उसके ऊपर एसिड फेंका गया। इस हमले में महिला के चेहरे, छाती और जांघों पर जखम हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद महिला को पास के प्रवेश चंद्रा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था, बाद में जीटीबी हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। इस घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि महिला सुबह के 6 बजे काम पर जा रही थी। इस दौरान आरोपी एक्स बॉयफ्रेंड ने उसका पीछा किया और चौराहे से पहले ही उसके ऊपर तेजाब फेंक दिया। इस घटना के बाद महिला दर्द से कराही रही और मदद के लिए पुकारा। इस दौरान 80 साल के एक बुजुर्ग ने उसकी पुकार सुनी और मदद के लिए गया। इस दौरान बुजुर्ग का चेहरा भी तेजाब से जल गया। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि इस घटना के बाद के बाद किसी तरह वो अपने कमरे पर पहुंची, जिसके बाद मकान मालिक के बेटे ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अब उसका इलाज किया जा रहा है। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पूछताच के दौरान पता चला कि महिला पिछले तीन सालों से अपने परिजनों से दूर भजनपुरा इलाके में किराए पर रह रही थी। बताया जा रहा है कि परिवार से दूर रहने के दौरान करीब 3 साल से महिला आरोपी के साथ रिलेशनशिप में थी। पिछले 3 महीने पहले ही महिला ने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप कर लिया और दूरी बना ली थी। इस बात से नाराज बॉयफ्रेंड ने महिला पर तेजाब फेंक दिया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह जखमी हो गया। मामले की जांच के लिए पुलिस ने टीम गठित कर दी है। एक टीम आरोपी की लोकेशन तलाश कर उसे गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

7 महीने में 1226 वीडियो; नदीम अहमद करता था भड़काऊ बातें, पुलिस खोज रही असली मकसद

नई दिल्ली। रमेश त्रिपाठी, नई दिल्ली-जंतर-मंतर पर दिल्ली पुलिस के एसीपी पर लगे आरोपों की आड़ में ऑटफिशियल इंटीलिजेंस के जरिए बेहद आपत्तिजनक और फर्जी पोस्टर वायरल करने के मामले में गिरफ्तार 24 साल का नदीम के प्रोफाइल को लेकर चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। सोमवार को अदालत में पेशी के बाद पुलिस कस्टडी (रिमांड) में आए नदीम से अब साइबर सेल के एक्सपर्ट्स बंद कमरे में पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस अब यह जानने में जुटी है कि महज 10वीं फेल एक युवक ने इतने शांतिर तरीके से एआई टूल्स का इस्तेमाल कैसे किया और इसके

पीछे असल मकसद क्या था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी नदीम ने इसी साल अप्रैल में इंस्टाग्राम पर एक नया चैनल शुरू किया था। सोशल मीडिया पर खुद को स्वतंत्र पत्रकार के तौर पर स्थापित करने की सनक उस पर इस कदर सवार थी कि उसने महज सात महीनों के भीतर 1,226 भ्रामक और सनसनीखेज पोस्टर अपलोड कर डालीं। देखते ही देखते उसने 24,000 से अधिक फॉलोअर्स का एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर लिया। पुलिस सूचों के मुताबिक, नसीम अक्सर गंभीर प्रशासनिक और संवेदनशील मुद्दों पर अहकचरी और भड़काऊ

जानकारियां पोस्ट करता था ताकि उसके व्युज और फॉलोअर्स तेजी से बढ़ सकें। नई दिल्ली जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मंजीत ने साफ किया कि नदीम द्वारा वायरल किया गया अश्लील पोस्टर किसी असल घटना का चित्रण (सीसीटीवी फुटेज आदि) नहीं था। उसने एआई सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर डिजिटल तरीके से यह फर्जी कंटेंट तैयार किया था, जिसमें एक वदीधारी पुलिस अधिकारी को महिला के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की करते हुए दिखाया गया था।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना
डी.आर.एम./बिजली, उप.भरे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निर्मालिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा संख्या: 48R3/2025-26, कार्य का विवरण: Electrical work in connection (i) construction of community hall at Bhagat ki Kothi over Jodhpur Division (ii) Electrical work in connection construction of community hall including sports facilities at Merta Road, Degana over Jodhpur Division.(iii) Electrical work in connection with provision of 05bed barrack for RPF Staff at out post Luni. (iv) Electrical work in connection with provision of 20bedded barrack at DEGANA STATION (ix) Improvement of community hall's Officer club at Jodhpur over ADEN/HQ/JU jurisdiction. अनुमानित लागत (रु): ₹ 8385568.43; निविदा संख्या: 17R1/2026-27, कार्य का विवरण: Electrical work in c/w provision of air conditioners in relay room at 75 stations over Jodhpur Division. अनुमानित लागत (रु): ₹ 8833790.00; निविदा संख्या: 22R2026-27, कार्य का विवरण: Electrical work in connection with (i) replacement of old/dilapidated quarters by 09 units Type -II quarters under ADEN/MTD, (ii) Barrack for RPF Staff at Merta Road- (UJMS-04nos, DSO-04nods, MCPE-01 no.) staff quarters at various stations under ADEN/MTD (iii) construction of new 12 unit Type-II (DIA-04 nos, LAU-04 nos, SUJH-04 nos) and 04 unit Type-IV (DIA-02nos, LAU-02 nos) staff quarters under ADEN/DNA. अनुमानित लागत (रु): ₹ 7846666.77.1, सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: <http://www.ireps.gov.in>.

2. ई-निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय: 23.10.2026 को 15.00 बजे तक, 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 23.10.2026 को 15.00 बजे के बाद, धिरेन्त जानकारी हेतु, कृपया <http://www.ireps.gov.in> पर विजित करें।
14323-PH/26

हम NWR Railways पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना
डी.आर.एम./बिजली, उप.भरे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निर्मालिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा संख्या: 48R3/2025-26, कार्य का विवरण: Electrical work in connection (i) construction of community hall at Bhagat ki Kothi over Jodhpur Division (ii) Electrical work in connection construction of community hall including sports facilities at Merta Road, Degana over Jodhpur Division.(iii) Electrical work in connection with provision of 05bed barrack for RPF Staff at out post Luni. (iv) Electrical work in connection with provision of 20bedded barrack at DEGANA STATION (ix) Improvement of community hall's Officer club at Jodhpur over ADEN/HQ/JU jurisdiction. अनुमानित लागत (रु): ₹ 8385568.43; निविदा संख्या: 17R1/2026-27, कार्य का विवरण: Electrical work in c/w provision of air conditioners in relay room at 75 stations over Jodhpur Division. अनुमानित लागत (रु): ₹ 8833790.00; निविदा संख्या: 22R2026-27, कार्य का विवरण: Electrical work in connection with (i) replacement of old/dilapidated quarters by 09 units Type -II quarters under ADEN/MTD, (ii) Barrack for RPF Staff at Merta Road- (UJMS-04nos, DSO-04nods, MCPE-01 no.) staff quarters at various stations under ADEN/MTD (iii) construction of new 12 unit Type-II (DIA-04 nos, LAU-04 nos, SUJH-04 nos) and 04 unit Type-IV (DIA-02nos, LAU-02 nos) staff quarters under ADEN/DNA. अनुमानित लागत (रु): ₹ 7846666.77.1, सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: <http://www.ireps.gov.in>.

2. ई-निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय: 23.10.2026 को 15.00 बजे तक, 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 23.10.2026 को 15.00 बजे के बाद, धिरेन्त जानकारी हेतु, कृपया <http://www.ireps.gov.in> पर विजित करें।
1421-PH/26

हम NWR Railways पर फॉलो करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना
संख्या - एन-235-62टेली टेंडर31-3-2026
उप मुख्य सिगनाल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुखालय, पूर्वीकर रेलवे/गोरखपुर एवं कुनै भारत के राष्ट्रपति के ओर से निर्मालिखित कार्यों के लिए एड्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं।
निविदा सूचना सं. : एन-235-62टेली टेंडर 31-3-2026, कार्य का नाम : प्रोजेजिन ऑफ टेलीकोम वर्क इन कनेक्शन ऑफ रेलोवेशन एंड इन्फ्रामैट ऑफ PCPO ऑफिस ऑर CBT एग्जामिनेशन सेण्टर एंड ट्रेनिंग ऑर ट्रेनीस एट गोरखपुर एन.ई. रेलवे, प्रोजेजिन ऑफ टेलीकोम वर्क इन कनेक्शन ऑफ प्रोपेडर रेलवे रेलोवेशन ऑफ PCOM, PCOM एंड PCE ऑफिस एट गोरखपुर एन.ई. रेलवे, एंड प्रोजेजिन ऑफ टेलीकोम वर्क इन कनेक्शन ऑफ प्रोपेडर रेलोवेशन ऑफ TMC शेड GKC एन.ई. रेलवे, बाई सप्लाय, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ टेलिकॉम असेसस एंड LAN इन्फ्रामैस अलॉज विथ अशोसिएटेड एक्सेशोरिज, निविदा लागत : ₹ 68,24,396.72 (अड़सठ लाख बीसहैस हजार तीन सौ छियाने रुपये और बहतर पैसे मात्र), बिड सिक्युरिटी (बयाना बन्धनश्री) : ₹ 1,36,50,00, ऑफर की शेकला : 60 दिन, निविदा खोलने एवं बंद होने का तिथि तथा समय : दिनांक 06.11.2026 समय 15:30 बजे, कार्य के पूर्ण करने की अवधि : 06 (छ) माह। 1. मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिए कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। 2. विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट <http://www.ireps.gov.in> पर उपलब्ध हैं। नोट : निविदादाता/विडर को अपने बिड के साथ सभी निविद संलनर्नी/कॉन्टै/अनुलननक को अपलोड करना होगा। उप कृष सिगनाल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुखालय, मुर्गाधि/सिगनल-129 पूर्वीकर रेलवे/गोरखपुर ट्रेनों में चलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

दिल्ली हाई कोर्ट ने कार्रवाई के लिए एमसीडी को दिया फ्रीहैंड

सुनवाई के दौरान बेंच को बताया गया कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर में अभी 400 से ज्यादा वेंडर सामान बेच रहे हैं, जबकि इनमें से सिर्फ 90 वेंडर ही अधिकृत हैं। बाकी सब अनधिकृत रूप से काम कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा, 90 वेंडर्स के अलावा, नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर में किसी भी दूसरे वेंडर के पास सामान बेचने का कोई वैध अधिकार नहीं है। खासकर तब, जब इस कोर्ट की कई बेंच ने बार-बार आदेश देकर नेहरू प्लेस को नो-हॉकिंग जोन और नो-वेंडिंग जोन घोषित किया है। कोर्ट ने कहा कि कई सालों से नेहरू प्लेस इलाका हॉंकरों और वेंडरों के लिए विवाद का गंभीर कारण बना हुआ है। कोर्ट ने 90 वेंडरों को 12 अक्टूबर से पास की एक वैकल्पिक जगह से वेंडिंग करने की अनुमति दी, साथ ही यह स्पष्ट किया कि टाउन वेंडिंग कमेटी

(TVC)-II के गठन के बाद उसे यह तय करना चाहिए कि क्या ये वेंडर वेंडिंग सर्टिफिकेट के हकदार हैं या नहीं, और यदि हां, तो वे किस इलाके में वेंडिंग करेंगे। कोर्ट ने कहा कि TVC-II के गठन के दो महीने के भीतर यह निर्णय लिया जाना चाहिए और कमेटी को अपना निर्णय उन वेंडरों को बताना चाहिए जिन्हें वैकल्पिक जगह पर वेंडिंग की अनुमति दी गई है, यह सब स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका की सुरक्षा और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) अधिनियम के तहत होना चाहिए। यह मामला 2009 के एक फैसले से जुड़ा है, जिसके तहत शुरू में 67 वेंडरों को नेहरू प्लेस के एक चिह्नित इलाके में वेंडिंग करने की अनुमति दी गई थी। बाद में, हाई कोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट सेंटर को नो-हॉकिंग और नो-वेंडिंग जोन घोषित कर दिया।

दिल्ली सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं को दी सौगात, 3,000 की जगह 6,000 रुपये हुआ भत्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघु और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्यागराज स्टैडियम में कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत राज्य स्तरीय ‘आशा सम्मेलन-2026 और आशा सम्मान समारोह’ का भव्य आयोजन किया गया। इसमें आशा कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन भत्ते में ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की गई। लगभग 6,690 आशा कार्यकर्ताओं का प्रोत्साहन भत्ता 3,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये कर दिया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघु ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित दिल्ली की आधारशिला हैं। आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था में आगे रहते हुए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे जागरूकता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके मासिक मानदेय को 3,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये किया जाना उनके योगदान और समर्पण के प्रति सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान मिशन अनमोल के विस्तार की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत नवजात शिशुओं की गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान की जाएगी। इसके लिए जांच, सही समय पर बीमारी का पता लगाने और इलाज की व्यवस्था को मजबूत किया गया है। बच्चों के जन्म के 24 से 72 घंटे के भीतर 63 बीमारियों की जांच की जाएगी। इससे स्वास्थ्य समस्याओं को शुरुआती समय में ही पहचानकर उनके असर को कम किया जा सकेगा। दिल्ली सरकार हर साल जांच का दायरा 1.5 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख नवजात शिशुओं तक करने पर काम कर रही है।

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
उप मुख्य विद्युत अभियंता /निर्माण/उत्तर रेलवे, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110001 निर्मालिखित कार्य के लिए एकल चरण दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ईपीसी-निविदा आमंत्रित करते हैं:-	
कार्य का स्थान	दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे के NDLS-CPYZ सेक्शन में गति को 160 Km/h तक बढ़ाने के लिए SP/SSP/ के कनेक्शन हेतु केबल बिछाने का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग।
कार्य की समाप्ति अवधि	12 महीने
कार्य की अनुमानित लागत	₹ 94,15,93,660.90/-
बोली सुन्ना राशि (निविदा में दिए गए अनुसार ऑनलाइन जमा की जानी है)	₹ 1,88,31,900/-
निविदा खोलने की तारीख और समय	निविदाएं 11.11.2026 तारीख को 11.00 बजे या उसके बाद IREPS वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर खोली जाएंगी। बोलीदाता epc-tender में मांग ले सकते हैं।
विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए IREPS वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर 08.10.2026 से 03.11.2026 तक उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखी जा सकती है।
निविदा संख्या: 347/DY.CEE/C/NDLS/2026-27/EPC दिनांक: 07.10.20206 3482/2026 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

उत्तर रेलवे ई- खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता / सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यो के लिए खुली निविदा दिनांक 03.11.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रुपये	घरोहर राशि रुपये	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता /सम्पति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता /सरदार पटेल मार्ग के कार्यक्षेत्र में मार्ग सरदार पटेल मार्ग रेलवे ऑफिसर्स एक्चलेव में क्षतिग्रस्त सुख्खा दीवारों, प्लास्टर /चिल, कर्ब स्टोन्स, खुली नालियों को ढकने, लॉन की फ्लोरींग, बाहरी प्लास्टर और बाहरी पेंटिंग आदि में सुधार कार्य हेतु।	199999413.66	400000.00	09 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता /सम्पति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता /सेन मार्टिन मार्ग के कार्यक्षेत्र में सेन मार्टिन मार्ग पर खाली टाइप V और टाइप IV डुलेक्स और मोती बाग में रेवेवे बोर्ड के सदस्यों के बंगलों की मरम्मत और नवीनीकरण का काम तथा अन्य संबंधित कार्य। कार्य हेतु।	166994594.41	340000.00	09 महीने

1. निविदा दिनांक: 03.11.2026 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।
प्रत्र संख्या -- 128-डब्ल्यू/2692/ओ.ई.टी./निविदा सूचना/26-27/डब्ल्यू-ई/टेंडर, नं. 22 (ए. बी.) दिनांक: 05.10.2026. 3468/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे ई-निर्लिप्त सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /जी, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निर्मालिखित रेलवे स्टेशनों पर एनएफआर के विविध अनुबंधों के आवंटन के लिए ई-निविदा आमंत्रित किया है।

ई-कंटेंटिंग नं.	परिसरपति का प्रकार	रेलवे स्टेशन	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय
Advtr-Oct-01-26	यूनिपोल (OOH)	क्लस्टर-C	प्रारंभ होने का समय: 22.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-01-26	प्रतीक्षालय	पानीपत रेलवे स्टेशन	प्रारंभ होने का समय: 22.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-01-26	प्रतीक्षा क्षेत्र	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन	प्रारंभ होने का समय: 22.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	विनाइल रिट्कर/ बाहरी रैमिंग	ट्रेन संख्या 22479 / 80 और 22485 / 86	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	यूनिपोल	मोदीनगर।	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	यूनिपोल (OOH)	क्लस्टर-E, F और D	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	डुअल डिस्ले इन्फॉर्मेशन सिस्टम यूटीएस (DDIS)	280 यूटीएस काउंटर दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर।	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	डुअल डिस्ले इन्फॉर्मेशन सिस्टम पीआरएस (DDIS)	165 पीआरएस काउंटर दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर।	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	स्टेशन परिसर में विज्ञापन (डिजिटल)	शक्रू बस्ती	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	स्टेशन परिसर में विज्ञापन (रै-डिजिटल)	शक्रू बस्ती	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	प्रतीक्षालय	खेकड़ा, बरगाम रोड, शक्रू बस्ती और मनसा,	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	यात्री घोषणा प्रणाली (PAS)	नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली सौरा रोहिल्ला, करनाल, कुल्श्रेत्र, पानीपत, सोनीपत, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, रोहतक, दिल्ली शाहदरा, फरीदाबाद, पलवल।	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे
Advtr-Oct-02-26	हेड्सेरेस्ट कवर	ट्रेन नंबर 22439 / 40, 22435 / 36, 22447 / 48, 22469 / 70 और 22425 / 26	प्रारंभ होने का समय: 23.10.2026 को 11:00 बजे

वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है <https://ireps.gov.in/> (E-Auction-Leasing)
No. 7UB/E-Auction/NIT-2026 Date: 10/2026 3475/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



एक नज़र

2 साल से अधिक समय के बाद भी यूपी पुलिस विफल, हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दो साल से अधिक समय तक महिला का पता लगाने में विफल रहने के बाद लापता होने की जांच सीबीआई को सौंप दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन ने सुदामा देवी के पति की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने पाया कि पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद सुदामा देवी का पता नहीं लगाया जा सका या उसे बरामद नहीं किया जा सका। महिला आठ सितंबर 2024 से लापता थीं और पुलिस ने नौ सितंबर 2024 को महाराजगंज के पुरन्दरपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पाया है। जब इस मामले पर पहली बार सुनवाई हुई, तो न्यायालय ने पाया कि याचियों की विपक्षी से शत्रुता थी, जिसके कारण सुदामा देवी की अवैध हिरासत का आरोप लगाया गया था। बाद में न्यायालय ने महिला के ठिकाने का खुलासा करते हुए विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। हलफनामे में सरकार की ओर से कहा गया कि महिला का पता लगाने के लिए समर्पित पुलिस अधिकारियों की टीम तैनात की गई थी। 42 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला के पास मोबाइल नहीं है। इन परिस्थितियों के कारण पुलिस अधिकारियों के लिए उसका पता लगाना मुश्किल हो गया है। सरकार ने इस आरोप का भी खंड किया कि विपक्षी संख्या चार के पास अवैध रूप से दस्तावेज थे और पुलिसकर्मियों द्वारा उसे ढूंढने के लिए किए गए प्रयासों का विस्तृत विवरण दिया। 29 सितंबर को सरकार ने कोर्ट को सूचित किया कि पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद महिला का पता नहीं चल पाया है। कोर्ट ने कहा कि वह आठ सितंबर 2024 से लापता थी और अगले दिन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस उसका पता नहीं लगा पाई है और न ही उसे बरामद कर पाई है। कोर्ट ने इन तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से गुमशुदा व्यक्ति की रिपोर्ट दर्ज होने के दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद राज्य पुलिस अधिकारियों द्वारा शव का पता लगाने में विफलता को देखते हुए मामले की जांच गाजियाबाद स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपना उचित समझा। कोर्ट ने सीबीआई को सुदामा देवी का पता लगाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने और एक दिसंबर को पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राज्य के अधिकारियों को सीबीआई को सभी आवश्यक सहयोग और सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। यह भी निर्देश दिया कि जांच के दौरान अब तक पकड़ा किए गए सभी रिकॉर्ड, सबूत और अन्य सामग्री केंद्रीय एजेंसी को उपलब्ध कराएं। यह भी कहा कि अगली तारीख तक महिला का पता नहीं चलता और उसे पेश नहीं किया जाता तो सीबीआई जांच अधिकारी को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करना होगा, जिसमें महिला का पता लगाने के लिए उठाए गए कदमों और किए गए प्रयासों का खुलासा करना होगा। साथ ही कोई विफलता हुई हो तो उसके कारणों का भी उल्लेख करना होगा।

रौब दिखाकर व्यापारी से वसूले थे दो लाख रुपए, एसपी ने चार सिपाहियों को किया बर्खास्त

लखनऊ। यूपी के शाहजहांपुर में पुलिस की वर्दी का रौब दिखाकर जलालाबाद कानून गोयान कस्बे के व्यापारी सुंदरम क्षत्रिय से दो लाख वसूलने के मामले में चार सिपाहियों को एसपी सौरभ दीक्षित ने सेवा से बर्खास्त कर दिया। तिलहर में तैनात चारों सिपाही जलालाबाद पहुंचकर सर्राफ को बिना किसी लिखित तहरीर, सक्षम अधिकारी के आदेश अथवा वैधानिक अभिलेख के पकड़ा था। इसके बाद रस्मैक रखकर डराया और दो लाख रुपये लेकर छोड़ा था। पुलिस अधीक्षक के इस एकदशन से विभाग में हड़कंप मच गया। छह सितंबर को संदरम क्षत्रिय ने थाना परशुरामपुरी में तहरीर देकर तिलहर थाने पर तैनात अरुण चित्तौड़िया, तुषार, पंकज और वीरेंद्र पर अनेकित व्यवहार करने और रिश्त मांगने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, रिश्त लेने के बाद उसे छोड़ दिया गया। एसपी सौरभ दीक्षित ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए सीओ परशुरामपुरी दीपक कुमार सिंह और सीओ तिलहर विदुष सक्सेना के नेतृत्व में जांच टीम गठित की। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही मिलने पर थाना परशुरामपुरी में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद तत्काल पंकज और वीरेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। चारों को लिबित कर दिया गया था। दो अब भी फरार हैं। इसके बाद अग्रिम जांच शुरू हुई। जांच के दौरान यह सामने आया कि शिकायतकर्ता को थाना परशुरामपुरी क्षेत्र से पकड़कर ले जाने के लिए पुलिसकर्मियों के पास न कोई लिखित तहरीर थी, न सक्षम अधिकारी का आदेश और न ही कोई वैधानिक अभिलेख।

हम सपना देखे आपका चुनाव चिह्न साइकिल है, समर्थक की बात पर हंस दिए बृजभूषण; बोले-भक्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और माहौल अभी से चुनावी होता जा रहा है। ऐसे में भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब उनकी और उनके समर्थक के बीच छोटी सी मगर मजेदार बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बृजभूषण शरण सिंह का एक समर्थक उनसे यह कहते सुना जा रहा है कि उसने रात में एक सपना देखा है। समर्थक ने कहा कि उसने सपने में देखा है कि उनका चुनाव चिह्न साइकिल है। समर्थक को इस बात पर बृजभूषण शरण सिंह हंस पड़ते है और उनके मुंह से तुरंत निकलता है- ‘भक्क’। इसके साथ ही वहां मौजूद अन्य लोग भी जोरदार ठहाका लगाकर हंस पड़ते हैं। चुनावी माहौल में बृजभूषण शरण सिंह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग अपने-अपने ढंग से इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह पहले कई बार अखिलेश यादव की तारीफ कर चुके हैं। अब जब चुनाव करीब है तो उनके भावी कदमों को लेकर यूपी के राजनीतिक गलियारों में कयास लगते रहते हैं। पिछले दिनों ही बृजभूषण शरण सिंह ने एक सवाल के जवाब में यह कहकर लोगों को चौंका दिया था कि अखिलेश के बिना इंडिया गठबंधन में सब सूना है। अब समर्थक से बातचीत का उनका यह नया वीडियो आया है

महिला ने 2 बेटे और 2 बेटियों को दिया जन्म, चारों नवजात बच्चे स्वस्थ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सीबीगंज क्षेत्र की एक महिला ने दुर्लभ प्रसव के दौरान एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। नवजातों में दो बेटे और दो बेटियां हैं। एक साथ चार बच्चों के जन्म का मामला सामने आने के बाद परिजन और आसपास के लोग भी हैरान हैं। डॉक्टरों अनुसार मां और चारों नवजातों की हालत फिलहाल ठीक है। चार बच्चों और महिला को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनईया रानी गांव निवासी शबनम को सोमवार तड़के करीब चार बजे प्रसव पीड़ा हुई। परिजन उसे मिनी बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां महिला की जांच के बाद डॉक्टरों ने महिला को भर्ती कर लिया। इसके बाद डॉक्टरों की निगरानी में प्रसव कराया गया। इस दौरान महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। इनमें दो बेटे और दो बेटियां हैं। घर वालों ने मिठाईयां बांटकर खुशियों का

इकाना स्टेडियम तक पहुंचा गोमती का पानी, लखनऊ में बाढ़

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ते हुए इकाना स्टेडियम के पास तक पहुंच गया है। बाढ़ का असर गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। सोमवार को इकाना के पास शहीद पथ के नीचे अंडरपास में काफी पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। इसी तरह भागीदारी भवन, अंबेडकर स्मारक के पास से जी 20 रोड की ओर जाने वाले मार्ग के अंडरपास में भी पानी भर गया। नगर निगम और लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीमों मौके पर पहुंचीं। जांच में पता चला कि इकाना क्षेत्र में एक नाले के जरिए पानी पहुंच रहा है। इसके बाद कई पंप लगाए गए। भारत वेस्टइंडीज मैच को देखते हुए युद्धस्तर पर अधिकारी जुट गए। इसका असर रहा कि मंगलवार की दोपहर तक यहां से पानी निकाल दिया गया। उधर, इमार गोमती ग्रीन्स सोसायटी के पास नाले में पानी लगातार बढ़ता रहा। इससे सोसायटी के विद्युत उपकेंद्र में पानी घुसने का खतरा मंडराने लगा है। उपकेंद्र



तो लोग इसे लेकर तरह-तरह की अटकलें लगा रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने समर्थकों के साथ कहीं जा रहे हैं। इस दौरान उनके सामने एक समर्थक आ जाता है। उसकी बात सुनकर सब रुक जाते हैं।

2000 करोड़ में गंडक नदी पर बनेगा पुल, बिहार के बेटिया से यूपी के गोरखपुर-कुशीनगर की दूरी घटेगी

पटना। बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर 2000 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ा पुल बनाने का रास्ता जल्द ही साफ होने वाला है। गंडक नदी पर बनने वाले इस पुल की लागत लगभग 2000 करोड़ रुपये होगी। यह ब्रिज दोनों राज्यों को आपस में जोड़ेगा। इससे बिहार के बेटिया से यूपी के गोरखपुर एवं कुशीनगर की दूरी भी घट जाएगी। यह पुल नेशनल हाईवे (NH) 727 एए पर बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की वित्तीय स्वीकृति पिछले साल हीं हे दी गई थी। अब केंद्रीय कैबिनेट से जल्द इसके निर्माण कार्य की मंजूरी मिलने की संभावना है। कैबिनेट मंजूरी का बीते एक साल से इंतजार किया जा रहा है। इस लंबित परियोजना को जल्द मंजूरी देने को लेकर बिहार के पथ निर्माण विभाग और केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बीच बातचीत हुई है। इसकी वित्तीय स्वीकृति अक्टूबर 2025 में मिली थी। केंद्रीय कैबिनेट की मुहर लगने के बाद निर्माण कार्य की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बेटिया में गंडक नदी पर बनने वाला यह पुल बिहार का सबसे लंबा ब्रिज होगा। इस पुल की लंबाई 12 किलोमीटर होगी। वहीं, अप्रोज रोड को जोड़कर इस प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 29.5 किलोमीटर होगी। सड़क सह पुल के निर्माण कार्य पर लगभग दो हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस पुल का निर्माण हैम मोड मॉडल (हाईड्रिक एन्सुइटी मोड) में होना है। इसके तहत चयनित एजेंसी कुल लागत का 60 फीसदी खर्च खुद वहन करेगी, जबकि 40 प्रतिशत फंड केंद्र सरकार देगी। निर्माण एजेंसी को 15 सालों तक इस पुल और सड़क का रखरखाव भी करना होगा।

बृजभूषण शरण सिंह उसकी बात को ध्यान से सुनने लगते हैं। वह समर्थक बोलता है कि आपका चुनाव चिह्न आ गया है। रात में हम सपना देखे हैं कि आपका चुनाव चिह्न साइकिल है। समर्थक की यह बात सुनते ही बृजभूषण शरण के चेहरे पर हंसी आ जाती है। वह जोर से बोल पड़ते हैं- ‘भक्क’। इसके साथ ही उनके साथ मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं। वैसे अलग दल में होने के बावजूद पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, सपा मुखिया अखिलेश यादव की तारीफ करते रहे हैं। अखिलेश यादव भी कह चुके हैं कि उनके बृजभूषण शरण सिंह से अच्छे संबंध रहे हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने यहां तक कहा था कि अखिलेश यादव के साथ अच्छे और व्यक्तिगत संबंध हैं। वे एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं करते हैं। हालांकि उन्होंने इसे राजनीति से न जोड़ने की भी बात कही थी। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि मेरे और उनके व्यक्तिगत संबंध हैं। मैं उनके खिलाफ नहीं बोलता हूं और वह मेरे खिलाफ नहीं बोलते हैं। मैं भारतीय जनता पार्टी में हूं और वह सपा के नेता हैं।

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में हॉटर किलिंग की सूचना पर पुलिस ने एक शिक्षिका का अंतिम संस्कार रुकवा दिया। पुलिस ने शव को चिता से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से शिक्षिका के परिवारीजनों, रिश्तेदारों और अंतिम संस्कार में शामिल होने आए लोग सकते में आ गए। सूत्रों का कहना है कि पोस्टमार्टम में जहर के लक्षण मिलने के साथ ही गले में फंदा कसने का भी निशान मिला है। इसके चलते बिसरा सुरक्षित किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरेली नवाबगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली यह शिक्षिका एक निजी स्कूल में पढ़ाने के साथ ही खुद भी बीएससी की पढ़ाई कर रही थी। रविवार की रात घर में ही संदिग्ध हालात में लड़की की मौत हो गई। सोमवार को सूक्ष्म परिवारीजनों ने अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। वे शव को अंतिम संस्कार के लिए सिंधैया नदी किनारे ले गए। वहां चिता तैयार करके शव उस रख दिया गया। इसी बीच किसी ने शिक्षिक की मौत को हॉटर किलिंग बताते हुए पुलिस को सूचना दे दी। इस सूचना पर कुछ ही देर में मौके पर पुलिस ने अंतिम संस्कार शुरू होने से पहले शव को चिता से उठवा लिया। पुलिस ने शिक्षिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने लड़की के परिवारीजनों से बात की तो

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

जवाहर खेड़ा और रंजीत खेड़ा मजरा अहिनवार में बाढ़ से प्रभावित खेतों का जायजा लिया। किसानों ने उन्हें बर्बाद फसलें दिखाकर मुआवजे की मांग की। सांसद ने एसडीएम मोहनलालगंज से फोन पर नुकसान का जल्द सर्वे कराकर फसलें दिखाकर मुआवजा दिलाने को कहा। वहीं मल्लिहाबाद के शीतलनटोला और मोहम्मदनटोला में दो हजार लोग परेशान हैं। फैजुल्लागंज में बाढ़ से जूझ रहे लोगों का गुस्सा रविवार को सड़क पर फूट पड़ा। राहत एवं बचाव कार्यों में लापरवाही का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ित बंधा रोड पर पहुंच गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि राहत सामग्री वितरण के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन अधिकांश प्रभावित परिवारों तक सहायता नहीं पहुंच रही है। कई परिवार अब भी घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर रहने को मजबूर हैं। उनके घरों में घरेलू सामान, जरूरी दस्तावेज और पशु फसे हुए हैं। सड़क जाम से दोनों ओर

वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया। फैजुल्लागंज की गलियों में खड़ी महंगी कारें और दोपहिया वाहन पानी में ऐसे डूबे दिखाई दिए जैसे वे किसी लावारिस कबाड़ का हिस्सा हों। घरों में रखे फर्नीचर, फ्रिज, टीवी, कपड़े और जरूरी दस्तावेज तक पानी में खराब हो चुके हैं। दुकानों के बेसमेंट लबालब भरे हुए हैं और व्यापारियों को लाखों रुपए के नुकसान का अंदेशा है। कई परिवार ट्रैक्टरों पर सामान लादकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाते दिखाई दिए। कोई फ्रिज बचाने की कोशिश कर रहा था तो कोई बच्चों की किताबें और जरूरी कामजात समेने में जुटा था। लेकिन अधिकांश लोग अपनी गृहस्थी को पानी में डूबता देखने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे थे। जलभराव इतना अधिक है कि लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए नावों पर निर्भर हैं। लेकिन नावों की भारी कमी है।

की बैठक हुई। बैठक में डॉ. सुनीत गिरी ने कहा कि शिक्षकों के मान-सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। बरेली मुरादाबाद शिक्षक विधायक के लिए डा. हरि सिंह दिल्ली ने अपना नामांकन बरेली कमिश्नरी में जेशा और उत्साह के साथ करवाया। मतदान 23 अक्टूबर को होगा। दिल्ली के नामांकन में प्रदेश सरकार में मंत्री भूपेंद्र चौधरी, डा. अरुण कुमार और बलदेव औलख, कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह, एमएलसी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सिंह सैनी, गोपाल अंजान, मुरादाबाद के प्रभारी प्रमेंद्र जांगड़ा, जिलाध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला आदि नेता मौजूद रहे। भाजपा के महानगर प्रभारी और प्रदेश मंत्री डॉ. प्रमेंद्र कुमार जांगड़ा ने अपने तीन दिवसीय महानगर प्रवास में दूसरे दिन दो मंडलों में बैठक की।

लखनऊ में बाढ़ का कहर, पानी में डूबे 6 दोस्त, एक की मौत और 5 बचा लिए गए

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में बाढ़ से हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। बाढ़ का कहर जारी है। यहां इटौंजा क्षेत्र के लासा गांव में मंगलवार सुबह दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। 6 दोस्त बाढ़ के पानी में डूब गए। इसमें 5 दोस्तों को तो सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन युवक विमल की मौत हो गई। घंटों की मशक़त के बाद प्रशासन ने उसका शव बरामद किया। उधर, गोमती का जलस्तर बढ़ने से मंडियांव, घैला, फैजुल्लागंज, दौलतगंज और गोमती नगर विस्तार के निचले इलाकों में भारी जलभराव से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त है। फैजुल्लागंज, मल्लाही टोला और आसपास के बाढ़ प्रभावित इलाकों में गोमती का पानी सिर्फ घरों में नहीं घुसा, बल्कि हजारों परिवारों की बरसों की मेहनत और सपनों को भी बहा ले गया। हालात ऐसे हैं कि एक लाख से अधिक आबादी पलायन को मजबूर हो गई है। करोड़ों रुपए की गृहस्थी, वाहन, दुकानें और घरेलू सामान पानी में डूबे पड़े हैं। लोगों की सबसे बड़ी चिंता अब यह नहीं रह गई है कि नुकसान कितना हुआ, बल्कि यह है कि आने वाले दिनों में दो जून की रोटी और सिर पर छत कैसे बचेगी। फैजुल्लागंज की गलियों में खड़ी महंगी कारें और दोपहिया वाहन पानी में ऐसे डूबे दिखाई दिए जैसे वे किसी लावारिस कबाड़ का हिस्सा हों। घरों में रखे फर्नीचर,

पुलिस ने चिता से उठाकर शिक्षिका की लाश का कराया पोस्टमार्टम; हॉटर किलिंग का शक

पिता ने बताया कि रविवार रात 11~30 बजे उसके सीने में दर्द हुआ। वे लोग उसे डॉक्टर के पास ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शिक्षिका के शव का पोस्टमार्टम कराया तो कहानी और उलझ गई। शिक्षिका के शव में जहर के लक्षणों के साथ ही गले में फंदा कसने का भी निशान मिला। लेकिन सूत्रों का कहना है कि फंदा लगाने के कारण शिक्षिका की मौत नहीं हुई थी। शिक्षिका की मौत कैसे हुई यह पता लगाने के लिए बिसरा सुरक्षित कर दिया गया। आशंका जताई जा रही है कि लड़की ने पहले जहर खाया और फिर फंदा लगाया। संभवतः इसी दौरान परिवार वालों ने उसे

झारखंड से आए 17 साल के लड़के ने प्रेमानंद महाराज से मांगी दीक्षा, आश्रम वालों ने पुलिस बुला ली

वृंदावन। विवादों के बीच झारखंड से 17 साल का एक किशोर घर से बिना बताए वृंदावन पहुंच गया। वह प्रेमानंद महाराज के केलि कुंज आश्रम में पहुंचकर संत से दीक्षा लेने की इच्छा जताने लगा। किशोर की कम उम्र और परिस्थितियों को देखते हुए आश्रम प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस किशोर को सुरक्षित रमणरंती पुलिस चौकी ले गई और परिवारीजनों से संपर्क किया। इस बीच सोमवार को मेरठ का एक परिवार अपने लापता बेटे प्रिंस की तलाश में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंच गया। नेत्रपाल अपनी पत्नी पूनम के साथ हाथ में बेटे का फोटो लेकर उसकी वापसी की मांग करते नजर आए। परिजनों को उम्मीद है कि अनुज और मयंक की सकुशल बरामदगी के बाद उनका बेटा भी उन्हें मिल सकता है। आश्रम के बाहर कई दिनों से लापता बच्चों के परिजनों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। हालांकि इस बीच लापता बताए जा रहे दो किशोर अलग-अलग स्थानों से मिल गए हैं। पुलिस को एक किशोर हाथरस के एक आश्रम मिला जबकि दूसरा प्रयागराज में। मेरठ के इंडपुरम, थाना प्रतापपुर के रहने वाले नेत्रपाल का दावा है कि उनका बेटा प्रिंस नीट की परीक्षा देने के बाद वह आठ मई 2024 को अपने माता-पिता के साथ वृंदावन आया था। अगले दिन लाइन में लगने के बाद 10 ईई को एकांतिक वार्ता के लिए पास मिला था। इसके तहत केवल प्रिंस अंदर गया था। वार्ता खत्म होने के बाद परिवार के लोग बाहर आ गए, लेकिन प्रिंस बाहर नहीं आया। पूनम ने बताया कि उन्होंने आश्रम के सधकों से इसकी शिकायत की, लेकिन प्रिंस को पता नहीं चला। इसके बाद मधुपुर पुलिस से भी शिकायत की। इस के इसके बाद से वह लगातार मेरठ और वृंदावन के बीच चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन बेटे का पता नहीं चला। अपने लापता बेटे की तलाश में राधा केलि कुंज आश्रम पहुंचे मेरठ के परिवार को सोमवार को आश्रम के बाहर मौजूद भक्तों की भीड़ से नोकझोंक का सामना करना पड़ा।



सोनाक्षी के इश्क में जुनुनी बने जहीर



सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल शादी के बाद पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। करण रावल के निर्देशन में बनी यह फिल्म रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें प्यार, जुनून, ज़िद और सस्पेंस की कहानी देखने को मिलेगी। फिल्म का निर्माण एशेलॉन प्रोडक्शंस के बैनर तले पाम स्टूडियोज़ और एंड प्रोडक्शंस के सहयोग से किया गया है। ट्रेलर की शुरुआत सोनाक्षी और जहीर के किरदारों की दोस्ती से होती है, लेकिन कहानी जल्द ही एकतरफा प्यार और जुनून की ओर बढ़ती दिखाई देती है। जहीर का किरदार सोनाक्षी को पाने की ज़िद में इस कदर आगे बढ़ता है कि उसका जुनून डराने लगता है। वहीं, सोनाक्षी का किरदार शुरुआत में मासूम नजर आता है। ट्रेलर में कहानी के दौरान कई अप्रत्याशित मोड़ आते हैं, जो फिल्म के सस्पेंस और रोमांच को बनाए रखते हैं। करण रावल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी किया है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि फिल्म में प्यार और जुनून के बीच की सीमा धीरे-धीरे धुंधली होती जाएगी और रिश्तों का एक अलग पहलू सामने आएगा। शादी के बाद सोनाक्षी और जहीर की पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी को लेकर भी दर्शकों में ख़ास उत्सुकता है। 'तू है मेरी किरण' 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विद्युत जामवाल ने 15 मिनट तक रोकी सांस



बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल अपनी फिटनेस और स्टंट के लिए जाने जाते हैं। वह आमतौर पर कम ही मीडिया के सामने आते हैं, लेकिन जब भी आते हैं तो कुछ ऐसा कर जाते हैं कि लोग हैरान रह जाते हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के प्रचार कार्यक्रम में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। विद्युत ने करीब 15 मिनट तक अपनी सांस रोक रखी, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के प्रचार में व्यस्त हैं। फिल्म में उन्होंने एक गेमिंग किरदार निभाया है, जो योग में माहिर है। फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान विद्युत ने मीडिया के सामने करीब 15 मिनट तक अपनी सांस रोककर रखी। इस दौरान उन्होंने दिखाया कि अपने शरीर पर उनका कितना नियंत्रण है और अपने किरदार के लिए उन्होंने कितनी तैयारी की है। जब विद्युत अपनी सांस रोके खड़े थे, तब उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे और उनके हाथ भी कांपने लगे। इसके बावजूद उन्होंने करीब 15 मिनट तक यह किया। विद्युत ने बताया सांस रोकने का तरीका: मीडिया से बातचीत के दौरान विद्युत जामवाल ने बताया कि 15 मिनट तक सांस रोकने के लिए उन्होंने एक खास योग सूत्र की मदद ली। उन्होंने कहा कि इस योग सूत्र ने उनकी जिंदगी के कई बड़े पड़ाव पार करने में उनकी मदद की है। युवाओं को दिया खास संदेश: विद्युत ने युवाओं को भी एक खास सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को सिर्फ नतीजे का इंतज़ार करने के बजाय धैर्य के साथ रुकना सीखना चाहिए, तभी वे जीवन में कुछ मायने रखने वाली चीज हासिल कर पाएंगे।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में दिखेगी जिम्मी-दिव्या की 'तुम रहे ना तुम'

जिम्मी शेरगिल और दिव्या दत्ता अभिनीत फिल्म 'तुम रहे ना तुम' का वर्ल्ड प्रीमियर 10 अक्टूबर को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ साउथ एशिया (आईएफएफएसए) टोरंटो में होगा। फिल्म की गाला स्क्रीनिंग मिसिसॉगा के सिनेप्लेक्स सिनेमाज़ कोर्टनी पार्क में आयोजित की जाएगी। प्रेम प्रकाश मोदी के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक मनोवैज्ञानिक पारिवारिक ड्रामा है। इसमें तनिष्का तिवारी,

हर्ष छाया, जरीना वहाब और राजेश जैस भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। राकेश कुमार त्रिपाठी की लिखी पटकथा स्वीडिश नाटककार ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग के चर्चित नाटक 'द फादर' से प्रेरित है। हालांकि, फिल्म की कहानी को भारतीय सामाजिक और पारिवारिक परिवेश में ढाला गया है। उत्तराखंड के एक पहाड़ी शहर की पृष्ठभूमि में कहानी एक दंपती के

बीच अपनी बेटी के भविष्य को लेकर शुरू हुए मतभेद से आगे बढ़ती है। धीरे-धीरे यह टकराव परिवार में सत्ता, पहचान, भरोसे और रिश्तों से जुड़े गहरे संघर्ष में बदल जाता है। फिल्म इस सवाल को भी सामने रखती है कि बच्चे के भविष्य का फैसला करने का अधिकार आखिर किसके पास होना चाहिए। पितृसत्ता, असुरक्षा,

विरासत और माता-पिता की अपेक्षाओं के साथ भावनात्मक रिश्तों की जटिलताओं को भी कहानी में जगह दी गई है। फ़ैनेटिकली फिल्मी प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले विन्नी चावला, डॉ. वृंदा चावला और सोनू कटियाल द्वारा निर्मित इस फिल्म के कार्यकारी निर्माता विक्रमजीत रॉय हैं। दीपांकर 'जोजो' चाकी कार्यकारी निर्माता के साथ साउंड डिजाइनर भी हैं।

ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग के चर्चित नाटक 'द फादर' से प्रेरित

हरलीन सेठी ने फिल्म इंडस्ट्री को बताया सेल्स की दुकान

अभिनेत्री हरलीन सेठी ने फिल्म इंडस्ट्री को 'सेल्स की दुकान' बताया, जहां कलाकार खुद 'प्रोडक्ट' होते हैं और खुद को पेश करना जरूरी है। इंटरनेट पर काम डालना जरूरी बड़े पर्दे के लिए अपनी नई कामेडी फिल्म पर काम कर रही हरलीन कहती हैं कि आपको खुद को सामने पेश करना जरूरी है। कोई भी इंडस्ट्री हो, काम के अलावा भी कई फैक्टर होते हैं, जो आपको सफलता की ओर लेकर जाते हैं। लोगों से मिलना, अपना काम इंटरनेट मीडिया पर डालना, दिखना जरूरी है, ताकि आप याद रहें। काम मांगने में शर्म नहीं होनी चाहिए। किस्मत से मिलता है काम किसी फिल्मकार का काम पसंद है, तो

उसमें कह दें कि आपका काम पसंद है, अगर मेरे लिए कोई रोल होगा, तो बुलाइएगा। मैं मानती हूं कि यह कठिन काम है, सेल्स की नौकरी की तरह है, जहां सुबह उठकर आप फोन लगाते हैं कि ये सामान ले लो, यहां हम खुद ही प्रोडक्ट हैं, लेकिन अपने आपको सही तरीके से पेश करना अहम है। फिल्मकारों ने मुझे वह जिम्मेदारी दी है कि मैं जटिल रोल कर लेती हूं। लेकिन बहुत सारा काम इस इंडस्ट्री में आपको किस्मत से मिलता है। अक्षय कुमार की बात नहीं भूलीं एक्ट्रेस: अक्षय कुमार जी ने यह बात कही थी कि सही समय पर, सही जगह पर होना जरूरी है। बहुत सारे प्रतिभाशाली कलाकार हैं, सब अच्छा काम करना चाहते हैं, लेकिन



तमन्ना संग शादी के बंधन में बंधे मोहसिन खान

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कार्तिक गोयनका के किरदार से घर-घर में लोकप्रिय हुए टीवी एक्टर मोहसिन खान अब आधिकारिक तौर पर शादी के बंधन में बंध गए हैं। हाल ही में अपनी पत्नी तमन्ना के साथ ग्रैंड रिसेप्शन सेरेमनी की झलकियां शेयर करने के बाद, मोहसिन ने अपने निकाह का एक बेहद खूबसूरत और इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर फैस के साथ साझा किया है। अपनी शादी के खुशमिजाज वीडियो में मोहसिन खान ने खुशी से झूमते हुए लिखा, कबूल... कबूल... इसमें उनके कानूनी शादी के कागजात पर साइन करने, अंगूठियां बदलने, दूल्हा-दुल्हन के तौर पर पहली बार एक-दूसरे को देखने और साथ में दुआ करने के पल शामिल थे। अगस्त में, मोहसिन ने अपनी सगाई की कई तस्वीरें शेयर की थीं। अपनी तत्कालीन मंगेतर और अब पत्नी तमन्ना का परिचय देते हुए एक्टर ने लिखा, तो यह बेहद खूबसूरत, कॉम्प्लिडेंट और संवेदनशील लड़की - जो हमेशा हंसती-मुस्कुराती और छेड़ती रहती है, उम्मीदें रखती और दुआएं मांगती है, हमेशा नाचती-गाती रहती है - मेरे लिए ऊपर वाले ने पहले ही तय कर दी थी। जब हमने पहली बार एक-दूसरे को देखा, जब मैंने पहली बार तुम्हारा हाथ थामा, और जब तुमने पहली बार 'हम तो भाई जैसे हैं वैसे ही रहेंगे' गाना गाया, तो मुझे एहसास हुआ कि मेरे अंदर कुछ उठर सा गया है। मुझे मेरा हमसफ़र मिल गया था।

जेलर 2: प्रमोशन का नया स्टाइल अपनाएंगे रजनीकांत



मेकर्स ने एक सादे एल्बम लॉन्च का विकल्प चुना है। उनका यह तीन घंटे लंबा इंटरव्यू सन टीवी के प्राइम टाइम में प्रसारित किया जाएगा। रीपोटर्स के मुताबिक 11 अक्टूबर को निर्धारित किया गया है और शाम 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक इस प्रमोशन को स्लॉट दिया गया है। सादगी से होगा प्रसारण : रजनीकांत के पुराने प्रोजेक्ट्स में भव्य ऑडियो लॉन्च का कार्यक्रम रखा जाता था। इनमें फिल्म से जुड़े लोगों के भाषण, किस्से और संगीतकार अनिरुद्ध की लाइव प्रस्तुतियां अक्सर सुर्खियां बटोरती थीं। उनकी फिल्मों के प्रचार अभियान का एक अहम हिस्सा बन जाती थीं। हालांकि, जेलर 2 ने इस प्रचलित प्रारूप को बदल दिया है। कलकारों और क्रू की मौजूदगी में भव्य ऑडियो लॉन्च आयोजित करने के बजाय, निर्माताओं ने निजी कार्यक्रम के माध्यम से एल्बम को लॉन्च करना सही समझा। 'जेलर 2' के बारे में फिल्म 'जेलर 2' का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार ने किया है। फिल्म 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रजनीकांत के अलावा शिवराज कुमार, विद्या बालन, राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और सूरज वेंजारामूडु भी नजर आएंगे।

रजनीकांत के पुराने प्रोजेक्ट्स में भव्य ऑडियो लॉन्च का कार्यक्रम रखा जाता था।

अभिनेता रजनीकांत फिल्म 'जेलर 2' का प्रमोशन सिर्फ इंटरव्यू के माध्यम से करेंगे। वह 11 अक्टूबर को तीन घंटे बातचीत के माध्यम से फिल्म का प्रचार करेंगे। कब और कहाँ दिखेंगे रजनीकांत: सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' इस बार प्रचार के लिए एक अलग माध्यम का उपयोग करेगी। पिछले कुछ समय से मेगा बजट की फिल्में ज्यादातर ऑडियो लॉन्च के जरिए अपना प्रमोशन करती थीं। मगर फिल्म जेलर के

कौन होनार करोड़पति: माधुरी के सामने फैन ने उतारी जैकेट

'कौन होनार करोड़पति' शो से एक नया प्रोमो आया है। प्रोमो में जलगांव के शरद राजपूत ने कुछ ऐसा किया, जिसे देखकर माधुरी भी शरमा गईं। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जैकेट उतारकर नाचने लगा कंटेस्टेंट प्रोमो में शरद राजपूत 'फास्टेस्ट फिंगर फस्ट' जीतकर हॉट सीट तक पहुंचते हैं। माधुरी के सामने बैठकर वह काफी खुश नजर आते हैं, क्योंकि वह अभिनेत्री के बहुत बड़े फैन हैं। इसके बाद शरद अपनी जैकेट उतारते हैं और डांस करने लगते हैं। तभी उनकी टी-शर्ट पर माधुरी की तस्वीर नजर आती है। यह देखकर माधुरी के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। शरद बताते हैं कि उन्होंने माधुरी की लगभग सभी फिल्में देखी हैं और उन्हें अभिनेत्री की फिल्मों से जुड़ी कई बातें भी

याद हैं। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू होती है और बात धीरे-धीरे शरद की निजी जिंदगी तक पहुंच जाती है। क्यों हंस पड़ी ऑडियंस ? माधुरी शरद से उनकी पत्नी के बारे में पूछती हैं। इस पर शरद मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'वो मेरी सारी बातें सुनती हैं।' शरद की बात सुनकर माधुरी तुरंत मजाकिया अंदाज में पूछती हैं, 'सिर्फ सुनती हैं या कभी-कभी ऑर्डर भी देती हैं?' माधुरी का यह सवाल सुनकर सेंट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं। शो के इस प्रोमो से साफ है कि 'कौन होनार करोड़पति' में माधुरी सिर्फ सवाल-जवाब करती ही नहीं, बल्कि कंटेस्टेंट्स के साथ उनकी जिंदगी और पसंद-नापसंद को लेकर हल्की-फुल्की बातचीत भी करती नजर आएंगी। कब शुरू होगा शो ? यह शो 12 अक्टूबर से शुरू होगा और सोमवार से शनिवार रात 9 बजे सोनी मराठी और सोनी लिव पर प्रसारित किया जाएगा। शो के लॉन्च से पहले माधुरी दीक्षित 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के अंतिमताप बचन के बर्थडे वीक स्पेशल एपिसोड में भी नजर आएंगी। इस दौरान वह अपनी फिल्म 'देवदास' के आइकॉनिक गाने 'काहे छेड़ मोहे' पर परफॉर्मेंस देती दिखाई देंगी। यह स्पेशल एपिसोड 9 अक्टूबर को रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

टी-शर्ट पर माधुरी की तस्वीर नजर आती है।





एक नज़र

वैभव सूर्यवंशी को अभी क्यों नहीं खिलाना चाहिए आकाश चोपड़ा ने बताया कारण, कहा- हर मैच के बाद

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने इस साल की शुरुआत में टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। इस वर्ल्ड कप को जीतने के बाद टी-20 टीम में अहम बदलाव बदलाव देखने को मिले। सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाकर श्रेयस अय्यर को कप्तान सौंपी गई। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने के कारण वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज के लिए चुना गया। इंग्लैंड में उन्होंने अपना ऐतिहासिक डेब्यू किया। हालांकि, पदार्पण के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में कम ही मौके मिल रहे हैं क्योंकि अभी टीम मैनेजमेंट नियमित सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को कॉन्ट्रिन््यू करना चाहता है। वैभव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच और जिम्बाब्वे सीरीज के सभी तीन मैच खेलने को मिले थे। इसके बाद एशियान गेम्स में उन्हें मौका दिया गया। भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ हुई तीन मैचों की सीरीज में उन्हें नहीं खिलाया गया। 6 अक्टूबर, मंगलवार से भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों घरेलू टी-20 सीरीज का आगाज हो रहा है। इस सीरीज के में भी भारतीय प्लेइंग XI में वैभव सूर्यवंशी को खिलाने के आसार कम लग रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर से कोच तक ज्यादातर लोग कह रहे हैं कि 15 वर्षीय वंडर बॉय को इंतजार करना चाहिए। भारत और वेस्टइंडीज पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग XI में ना चुने जाने को लेकर बात की है। उनका साफ मानना है कि फिलहाल, वैभव के स्थान पर संजू को ही मौका दिया जाना चाहिए और इसके पीछे आकाश चोपड़ा ने तर्क दिया है कि आप संजू सैमसन को ऐसे नहीं ट्रीट कर सकते कि हर अगले मैच के बाद उन पर बाहर होने का दवाब बना रहे। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि -एशियन गेम्स में आप एक गेंदबाज को कम करके वैभव को जगह दे रहे थे, लेकिन यहां पर ऐसा नहीं हो सकता है। ऐसे में या तो आप संजू सैमसन के साथ जाएंगे या फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ। और मैं जा रहा हूं संजू सैमसन के साथ। आकाश चोपड़ा ने संजू सैमसन के पीछे जाने और वैभव सूर्यवंशी को ना खिलाने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि -हर बार ये चर्चा नहीं हो सकती, जैसे रोहित शर्मा के साथ होती है कि इनको अंदर करो इनको बाहर करो। आप संजू सैमसन के साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते। उनको ऐसे ट्रीट नहीं कर सकते। उन्होंने आपको लगातार तीन बेहतरीन पारियां खेलकर वर्ल्ड कप जिताया। इसके बाद तीन पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और आपने उन्हें ड्रॉप कर दिया।

अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का सितंबर में जलवा, आईसीसी ने इन 6 प्लेयर्स को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए किया नामित

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट और वनडे पुरुष टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी-20 के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और महिला टीम की ओपनर शोफाली वर्मा के साथ स्पिनर श्री चरणी को आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। भारतीय चौकड़ी के अलावा जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और श्रीलंका की कप्तान चामरी अथापथु को भी क्रमश पुरुष और महिला वर्ग में नामांकित किया गया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ चार टी20 में 229 रन बनाये और रिकॉर्ड 30 गेंद में शतक जड़ा था। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो वनडे में 333 रन बनाये जिसमें एक दोहरा शतक शामिल है। रजा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सर्वाधिक रन बनाये थे। महिला वर्ग में एशिया कप और एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अथापथु ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया जबकि शोफाली ने महिला एशिया कप में सर्वाधिक रन बनाये। श्री चरणी ने आईसीसी टी20 महिला गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग प्वाइंट हासिल किये थे। शुभमन गिल फिलहाल वनडे के नंबर वन बल्लेबाज हैं। उन्होंने सितंबर महीने में जिस तरह की बल्लेबाजी की है वह काबिल-ए-तारीफ है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा। उन्होंने सिर्फ 117 गेंदों में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया और ईशान किशन के वर्ल्ड रिकॉर्ड जो 126 गेंदों का था उसको ध्वस्त कर दिया।

शोफाली वर्मा ने एशिया कप से जिस तरह की रिदम हासिल की है वह किसी कमाल की तरह ही है। उन्होंने एशिया कप और एशियन गेम्स की पांच पारियों में 320 रन ठोक दिए। उन्होंने पिछले महीने ठीक उस तरह की लय हासिल कर ली जैसी संजू सैमसन ने वर्ल्ड कप में हासिल की थी। शोफाली वर्मा ने एशियन गेम्स में शतक जड़ा और वे ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं।

तो ये है सूर्यकुमार यादव को मुंबई टीम से बाहर रखने की वजह, 10 दिन पहले हुआ था ऐसा

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव का सत्र पूर्व शिविर से लगातार अनुपस्थित रहना मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम से उनके बाहर होने की प्रमुख वजह रहा। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक सूत्र ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। भारत के पूर्व टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार राष्ट्रीय टीम में अपना स्थान गंवाने के बाद घरेलू क्रिकेट में लौटे हैं। हालांकि, उन्होंने टीम की घोषणा से पहले आयोजित सत्र पूर्व प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने बाद में खुद को चयन के लिए उपलब्ध बताया था। मुंबई के लाल गेंद के क्रिकेटर पिछले एक महीने से अभ्यास कर रहे

हैं और मंगलवार को भी यहां क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया तथा मुंबई क्रिकेट संघ के बीकेसी मैदान में उनका अभ्यास जारी रहा। सूत्र ने कहा, आखिर यह एक टीम खेल है। उनके पास पिछले कुछ समय में लाल गेंद के क्रिकेट का अनुभव नहीं है और सूर्यकुमार को लेकर सभी एकमत थे। सूत्र ने कहा कि अन्यथा चयनकर्ताओं को किसी युवा खिलाड़ी को बाहर करना पड़ता जो उचित नहीं लगता। पीटीआई को पता चला है कि करीब 10 दिन पहले जब मुंबई टीम के चयन के लिए सूर्यकुमार से संपर्क किया गया था तब भी उन्होंने जवाब नहीं दिया था और बाद में उन्होंने खुद को उपलब्ध

बताया। हालांकि, लाल गेंद के क्रिकेट में अनुभव की कमी और 42 बार की रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई के सत्र पूर्व शिविर में हिस्सा नहीं लेने के कारण सूर्यकुमार को 11 से 14 अक्टूबर तक वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ होने वाले सत्र के शुरुआती मुकाबले के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। सूर्यकुमार के लिए मुंबई टीम में वापसी के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। आईपीएल के तुरंत बाद वह टी20 मुंबई लीग में खेलते नजर आए थे। उन्हें दावेदारी में लौटने के लिए एमसीए द्वारा आयोजित क्लब क्रिकेट प्रतियोगिताओं जैसे पुलिस शील्ड या

पुरुषोत्तम शील्ड टूर्नामेंट में खेलना होगा। हालांकि, सफेद गेंद के क्रिकेट में सूर्यकुमार की दावेदारी को लेकर यथास्थिति बरकरार है। मुंबई के चयनकर्ताओं ने 36 वर्षीय सूर्यकुमार को बताया है कि 2026-27 सत्र में होने वाले आगामी घरेलू टूर्नामेंट के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। इस साल की शुरुआत में भारत को अपनी कप्तानी में तीसरा टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार मुंबई की कप्तानी के दावेदार हैं लेकिन उन्हें यह जिम्मेदारी तभी मिलेगी जब राष्ट्रीय टीम में उनके उत्तराधिकारी श्रेयस अय्यर उपलब्ध नहीं होंगे। इस बीच मुंबई के पूर्व कप्तान

और भारत के हरफनमौला खिलाड़ी शार्दूल ठाकुर ट्रेनिंग के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण कम से कम एक महीने के लिए बाहर हो गए हैं और रणजी ट्रॉफी के कुछ मुकाबले नहीं खेल पाएंगे। सिद्धेश लाड के इस सत्र में मुंबई की अगुवाई करने की संभावना है। रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले के लिए मुंबई की टीम में भारत के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान के अलावा शम्स मुलानी और तुषार देवपांडे भी शामिल हैं। ये खिलाड़ी मिलेगी जब राष्ट्रीय टीम में उनके अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भारत ए की 1-0 से जीत का हिस्सा थे।

गोल्ड मेडल जीतने के बाद श्रेयर अय्यर की तारीफ में बोले लक्ष्मण, कहा- वह खिलाड़ियों के कप्तान हैं

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि श्रेयस अय्यर में भारतीय टीम की सफल कप्तानी करने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि अय्यर की अच्छी तैयारी, रणनीति की समझ और विपक्षी टीम की ताकत को पहचानने की क्षमता उन्हें एक मजबूत कप्तान बनाती है। श्रेयस अय्यर ने जापान में भारत को पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक दिलाया। अय्यर के कप्तानी सभालने के तरीके से प्रभावित लक्ष्मण ने कहा कि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने पहले से ही वे खूबियां नजर आ रही हैं, जो तेज गति वाले टी20 क्रिकेट में विपक्षी टीम से एक कदम आगे रहने के लिए जरूरी हैं। भारत ने बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने बीसीसीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, यह उनके कप्तानी करियर की अभी शुरुआत है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि वह काफी सफलता हासिल करेंगे। वह खिलाड़ियों के कप्तान हैं। वह हर खिलाड़ी को सहज महसूस कराते हैं और खुद आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा, चाहे बल्लेबाजी की बात हो या मैदान पर फेंसले लेने की वह टीम बैठक से पहले ही विपक्षी टीम की योजनाओं, उसकी ताकत और कमजोरियों को समझने के लिए बैठ जाते हैं। तैयारी को लेकर वह बहुत



गंभीर रहते हैं। फिटनेस पर भी काफी जोर देते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि बतौर कप्तान उनका कार्यकाल बहुत सफल रहेगा। अपने खेल के दिनों में शानदार बल्लेबाज रहे लक्ष्मण ने अय्यर की रणनीतिक समझ और टीम में मौजूद खिलाड़ियों की क्षमताओं को पहचानने की उनकी क्षमता की भी तारीफ की। उनका मानना है कि इन्हीं खूबियों की वजह से अय्यर अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, वह खिलाड़ियों के बहुत अच्छे कप्तान हैं। रणनीति के मामले में वह बेहद समझदार और तेज हैं। वह अपनी टीम के हर खिलाड़ी की ताकत को समझते हैं और जानते हैं कि उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे करवाना है। लक्ष्मण ने

की कमी के कारण हमारे सामने कई चुनौतियां थीं। लेकिन एक बार भी मुझे ऐसा नहीं लगा कि टीम या किसी खिलाड़ी में बड़े मुकाबलों के लिए तैयार होने की उत्सुकता नहीं है। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल की पिच मुश्किल थी, लेकिन खिलाड़ियों ने सकारात्मक रवैया दिखाया। फाइनल में भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में टीम ने बेहद पेशेवर प्रदर्शन किया। लक्ष्मण इस बात से भी खुश थे कि खिलाड़ियों ने उन परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। उन्होंने 2023 के हांगझौउ एशियाई खेलों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की परिस्थितियां जापान से बिल्कुल अलग थीं, फिर भी खिलाड़ियों ने खुद को अच्छी तरह ढाला था। उन्होंने कहा, चीन और जापान, दोनों जगह हमारे सामने अलग-अलग तरह की चुनौतियां थीं। मुझे खुशी है कि दोनों बार खिलाड़ियों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला, बदलाव किए और देश के लिए मनचाहा परिणाम हासिल किया। लक्ष्मण के लिए यह स्वर्ण पदक परिस्थितियों के बावजूद खिलाड़ियों को किसी बड़े बहु-खेल आयोजन में सबसे अच्छी बातों में से एक रहा। उन्होंने कहा, जब से हम जापान पहुंचे, मौसम, यात्रा और अच्छे अभ्यास सत्रों

वैभव सूर्यवंशी को नहीं मिला मौका, नमन धीर का डेब्यू, वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी-20 मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला आज लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियन टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत की प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया गया है। टीम इंडिया के नमन धीर अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी को बाहर किया गया है। वे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा सलामी बल्लेबाज की भूमिका में नजर आएंगे। कप्तान अय्यर ने टॉस के दौरान बताया कि नितीश कुमार रेड्डी, वैभव सूर्यवंशी, प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को बाहर किया गया है। यानी कुलदीप यादव और मयंक यादव प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं। पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन भारत (प्लेइंग इलेवन)अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर

(कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नमन धीर, अक्षर पटेल, अश्वीप सिंह, कुलदीप यादव, मयंक यादव। वेस्टइंडीज (प्लेइंग इलेवन)

शार्ड होप (विकेटकीपर/कप्तान), कामिल पूरन, शिम्रोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरेफन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, रोस्टन चेज, अकील होसेन, शमर सिंगर, शमर जेम्स। 131 दिसंबर 1999 को हरियाणा के अंबाला में जन्मे नमन धीर के लिए आज के दिन बड़ा क्षण है। भारतीय क्रिकेट टीम ऑलराउंडर के विकल्प की तलाश रही है। वाशिंगटन सुंदर को आराम दिया गया है। ऐसे में नमन धीर के लिए डेब्यू करने का यह सही मौका था। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में अपना एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए कई मैचों में उपयोगी पारी खेलने के कारण नमन धीर को मौका दिया गया है।

कोहली-रोहित को नसीब नहीं हुई ये खुशी; 5 भारतीय खिलाड़ी जिन्होंने 2 टी20 वर्ल्ड कप के साथ जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के नाम वर्ल्ड क्रिकेट में कई उपलब्धियां हैं। उनके नाम हजारों रनों के साथ कई दर्जन रिकॉर्ड्स दर्ज हैं। आज भी जब यह दोनों स्टार खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं तो कुछ ना कुछ रिकॉर्ड बनाकर ही लौटते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज के दौरान ऐसा हमने एक बार फिर होते हुए देखा। हालांकि उन्हें ट्रॉफी उठाने का सुख अपने करियर में बहुत ही कम नसीब हुआ है। रोहित शर्मा ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, एमएस धोनी की अगुवाई में भारत वह टी20 वर्ल्ड कप जीतने में कामयाब रहा था। रोहित के करियर की वह शुरुआत थी, इसलिए वह ज्यादा योगदान नहीं दे पाए थे। मगर 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतना उनकी मेहनत को दर्शाता है। ऐसे ही कोहली ने करियर की शुरुआत में 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीता था और करियर खत्म



होते-होते 2024 टी20 वर्ल्ड कप। लेकिन आज हम आपको ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने 2 टी20 वर्ल्ड कप के साथ एशिया कप और एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता है। अब आप कहेंगे कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने तो 2026 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमें ले लिया है, वो कैसे एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत सकते हैं? तो आपकी जानकारी के लिए बता दें, भारत ने 2023 एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। तब रुरुराज गायकवाड़ टीम

के कप्तान थे, भारत ने उस समय अपनी बी टीम वहां भेजी थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ी 2024 टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में बिजी थे। संजू सैमसन- इस विकेट कीपर बल्लेबाज ने हाल ही में एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले उन्होंने भी 2026 टी20 वर्ल्ड कप जीताने में अहम भूमिका निभाई थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल कार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में शानदार अर्धशतकीय पारी खेल वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने थे। उन्होंने 2025

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

एशिया कप का भी खिताब जीता है। वहीं वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जसप्रीत बुमराह- दूसरा नाम इसमें जसप्रीत बुमराह का है। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे। इसके बाद बुमराह ने भारत को 2025 एशिया कप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और अब 2026 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीताने में अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल भी पिछले कुछ सालों से भारतीय स्कोडर का अभिन्न अंग रहे हैं। वह ज्यादा नजरों में नहीं आए, मगर उन्होंने भी भारत को यह 4 खिताब जीताने में अहम भूमिका निभाई है। वह लगातार भारत के लिए अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। शिवम दुबे- बाएं हाथ के इस खजूबू बल्लेबाज ने पिछले दो सालों से फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभाया है।

सौरव गांगुली बने दिल्ली कैपिटल्स के नए हेड कोच, आईपीएल 2027 से पहले बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी आईपीएल 2027 सीजन से पहले अपने नए हेड कोच का ऐलान कर दिया है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को डीसी ने अपना नया हेड कोच बनाया है। सोशल मीडिया पर दादा की एक वीडियो जारी कर दिल्ली की टीम ने यह जानकारी फेंस को दी। वीडियो के साथ लिखा ‘दिल्ली, अब दादागिरी का समय है।’ बता दें, दिल्ली कैपिटल्स को ही 2027 आईपीएल सीजन से पहले अपने मौजूदा कोचिंग स्टाफ से अलग होने का आधिकारिक ऐलान किया था। गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के

कोचिंग स्टाफ में हेमंग बदानी की जगह लेंगे, जो 2025 और 2026 सीजन में टीम के हेड कोच थे। दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में पूर्व भारतीय खिलाड़ी हेमांग बदानी मुख्य कोच, वेणुगोपाल राव क्रिकेट निदेशक, मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच और जॉन मूनी फील्डिंग कोच के तौर पर शामिल थे। 2024 में जीएमआर और सह-मालिक जेएसडब्ल्यू के बीच हुए संचालन समझौते के तहत इन दो सत्रों में टीम का संचालन जीएमआर के पास था। दो साल पूरे होने के बाद इन सभी की छुट्टी हो गई है और अब डीसी को नया कोचिंग

स्टाफ मिलेगा। सौरव गांगुली का दिल्ली कैपिटल्स के साथ काफी पुराना नाता है। 2019 में वह पहली बार इस टीम के साथ बतौर सलाहकार जुड़े थे। उस समय वह सीएबी के अध्यक्ष थे और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने।

तब गांगुली ने कहा था कि सीएबी अध्यक्ष के तौर पर उनकी भूमिका मानद थी और वह आईपीएल से जुड़ी गतिविधियों को प्रभावित नहीं कर सकते थे। गांगुली ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की एएसए20 लीग में गिंटोर्निया कैपिटल्स के मुख्य कोच के तौर पर काम

किया था। यह बतौर कोच उनका पहला अनुभव था। वह महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की टीम से भी जुड़े रहे हैं। रिपोर्ट्स हैं कि दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में युवराज सिंह की भी एंट्री हो सकती है। युवी ने पर्दे के पीछे से कई खिलाड़ियों को तैयार किया है, मगर वह अब डीसी के कैंप में कोचिंग करते नजर आ सकते हैं। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स बतौर बैटिंग कोच अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल कर सकता है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी तैयार किए हैं जो इस समय भारत के लिए इंटरनेशनल मंच पर धमाल मचा रहे हैं।

बीसीसीआई मीटिंग में ऐसा क्या हुआ, जो हरमनप्रीत कौर को छोड़नी पड़ी कप्तानी ये कबूल करने में नहीं दिखाई हिचकिचाहट

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को सभी को चौंका दिया। उन्होंने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को गुवाहाटी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की रिव्यू मीटिंग की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और हेड कोच अमील मजूमदार मौजूद थे। हरमनप्रीत और मंधाना को बताया गया कि सिलेक्टर्स भविष्य को ध्यान में रखते हुए बदलाव के पक्ष में हैं। बीसीसीआई इस मामले पर चर्चा करने से पहले एशियन गेम्स 2026 के खत्म होने का इंतजार कर रहा था। हरमनप्रीत के नेतृत्व में भारत ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता। उनकी अगुवाई में भारत ने पिछले साल महिला वनडे वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया था। हालांकि, महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से हरमनप्रीत को कप्तानी से हटाने की मांग जोर पकड़ रही थी। भारत सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी बताया कि 37 वर्षीय हरमनप्रीत की अब भी कप्तानी करने के साथ-साथ सभी फॉर्मेट में खेलने की खाशिश थी। हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें सभी फॉर्मेट में भारतीय टीम का नेतृत्व करने में कोई दिक्कत नहीं और टीम को लीड करने के लिए अनुभव की जरूरत है। बाद में हरमनप्रीत ने बिना हिचकिचाहट कबूल किया कि उनकी टी20 बैटिंग फॉर्म अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उन्हें लगा कि वह युवा पीढ़ी को मौका देने के लिए वह इस फॉर्मेट में पद छोड़ सकती हैं लेकिन वह वनडे और टेस्ट में कप्तानी करना जारी रखना चाहती थी। हालांकि, बीसीसीआई अपने फैसले से डिगि नहीं।